सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 12 अंक : 23 | इंदौर, बुधवार 12 अगस्त, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

'देश का भविष्य ही नहीं, वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति', अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर पीएम मोदी का संदेश

नई दिल्ली, (एजेंस) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बुधवार को सुभाषित शेयर किया है। पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर भारतीय के युवाओं को देश की सबसे बड़ी शक्ति भी बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'हमारे युवा साथी देश का भविष्य ही नहीं, वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति भी हैं। उन्होंने अपनी संवेदनशीलता, सेवाभाव और सामर्थ्य से दुनियाभर में अलग पहचान बनाई है।'

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने संस्कृत का श्लोक भी एक्स पर पोस्ट किया, 'चक्षुषा मनसा वाचा कर्मणा च चतुर्विधम्। प्रसादयति यो लोकं तं लोकोऽनुप्रसीदति।।' इस श्लोक का हिंदी अर्थ है- 'जो व्यक्ति अपनी दृष्टि, विचारों, वाणी और कर्मों के माध्यम से लोगों का हृदय जीत लेता है, वह ही उनके विश्वास, सम्मान और सद्भाव का पात्र बनता है।' इससे पहले मंगलवार को प्रधानमंत्री की ओर से सोशल मीडिया एक्स पर लिखा गया था, 'अष्टौ गुणाः पुरुषं दीपयन्ति प्रज्ञा सुशीलत्वदमौ श्रुतं च। पराक्रमश्च बहुभाषिता च दानं यथाशक्ति कृतज्ञता च।। इस श्लोक का अर्थ है, 'ये आठ गुण मनुष्य के जीवन को प्रकाशमान करते हैं। बुद्धि उसके मार्ग को स्पष्ट करती है, सदाचार उसके आचरण को पवित्र बनाता है और संयम उसे अनुशासित रखता है। ज्ञान उसे विवेक देता है, वीरता कठिन परिस्थितियों में अडिग रखती है और वाणी की कुशलता उसे समाज में सम्मान दिलाती है। अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान करना और उपकारों के प्रति कृतज्ञ रहना उसके व्यक्तित्व को पूर्णता प्रदान करते हैं।' इससे पहले प्रधानमंत्री की ओर से 7 अगस्त को सुभाषित शेयर किया गया था। तब पीएम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा था, **'किं चन्द्रमाः प्रत्युपकारलिप्सया करोति गोभिः कुमुदावबोधनम्। स्वभाव एवोन्नतचेतसां सतां परोपकारव्यसनं हि जीवितम्॥'**

सेना-ISI के खर्च का हिसाब दो! पाकिस्तान की 'गुप्त' फंडिंग पर अमेरिका सख्त

नई दिल्ली, (एजेंसी) अमेरिका ने पाकिस्तान के वित्तीय सिस्टम में पारदर्शिता बढ़ाने को लेकर कई अहम सिफारिशें की हैं. अमेरिकी विदेश विभाग की फिस्कल ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट 2026 में पाकिस्तान के बजट और सरकारी वित्तीय जानकारी की समीक्षा करते हुए सैन्य और खुफिया एजेंसियों के खर्च को संसदीय या नागरिक निगरानी के दायरे में लाने पर जोर दिया गया है. इसका मतलब है कि पाकिस्तान को ISI और अपनी सेना पर खर्च का ब्यौरा सार्वजनिक करना होगा.

चंदौली में पकड़े गए दो शातिर साइबर फ्रॉड, 16 राज्यों की पुलिस कर रही थी तलाश

चंदौली, (एजेंसी) उत्तर प्रदेश की चंदौली पुलिस ने साइबर फ्रॉड गैंग पर एक्शन लिया है. अलीनगर थाना पुलिस टीम और जिला साइबर थाना टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 16 राज्यों के नागरिकों से करीब 29 लाख रुपये की ठगी करने वाले साइबर फ्रॉड गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है. पकड़ा गया एक आरोपी अमन शर्मा चंदौली का और दूसरा नीतीश कुमार बिहार के नवादा जिले का रहने वाला है. ये आरोपी फर्जी आधार कार्ड से सैकड़ों म्यूल बैंक खाते खुलवाकर लोन, पार्ट-टाइम जॉब और पार्सल भुगतान के नाम पर देशव्यापी ऑनलाइन धोखाधड़ी अंजाम देते थे.

भोपाल मेट्रो-पोलिटिन क्षेत्र विकास के लिए मंत्रि-परिषद की ठोस पहल

भोपाल-विदिशा 4-लेन मार्ग निर्माण के लिए 1,757 करोड़ रुपए से अधिक की स्वीकृति

- स्थानीय संग्रहणकर्ता श्रमिकों और रहवासियों को मिलेगा लाभांश, संयुक्त वन प्रबंधन समितियों को लाभांश प्रदाय योजना के तहत 918 करोड़ रूपये की स्वीकृति
- रानी दुर्गावती राज्य स्तरीय पुरस्कार राशि 2 लाख रुपये और रानी अवन्ती बाई राज्य स्तरीय वीरता पुरस्कार राशि को एक से बढ़ाकर 2 लाख रूपये करने की स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिये गए निर्णय

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक संपन्न हुई। मंत्रि-परिषद ने भोपाल को मेट्रोपोलिटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस पहल करते हुए भोपाल-विदिशा मार्ग के 2-लेन से 4-लेन उन्नयन एवं निर्माण के लिए 1757.57 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। इस मार्ग के निर्माण से तेजी से औद्योगिक निवेश बढ़ेगा और अधोसंरसचना का भी व्यवस्थित विकास हो पायेगा। सांची स्तूप और कर्क रेखा जैसे प्रमुख स्थलों से गुजरने वाला यह मार्ग प्रादेशिक कनेक्टिविटी को नई मजबूती देगा। मंत्रि-परिषद ने भोपाल बासपास को 6-लेन बनाने के दृष्टिगत भोपाल बायपास- टोल टैक्स शुल्क संग्रहण की अनुमति 2031 तक बढ़ाने की मंजूरी दी है। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में मंत्रि-परिषद ने स्थानीय मजदूरों और क्षेत्र के रहवासियों को लाभांश वितरण के लिए वन विभाग द्वारा संचालित संयुक्त वन प्रबंध समितियों को लाभांश का प्रदाय योजना के तहत वर्ष 2030-31 तक निरंतर रखे जाने की 918 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। मंत्रि-परिषद ने किसान वर्ष में किसानों को बड़ी सौगात देते हुए भारत सरकार के अंतर्गत गठित उपक्रम नेशनल सोयाबीन रिसर्च इंस्टीट्यूट की स्थापना के लिए सीहोर जिले की इछावर तहसील के गांव भाउखेड़ी में 20 हेक्टेयर भूमि स्थायी पट्टे पर आवंटित किये जाने का निर्णय लिया है। प्रदेश के सर्वांगीण विकास, जन-स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण, बुनियादी ढांचे के विस्तार और महिला सशक्तिकरण को गति देने के लिए 47 हजार 990 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की है। इसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के लिए 28,083.47 करोड़ रुपये और आयुष्मान भारत योजना के लिए 12 हजार 123 करोड़ 81 लाख रुपये शामिल हैं।

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए मंत्रि-परिषद ने हर तरह की परिस्थितियों में समाज सेवा करने वाली महिलाओं के लिए 'रानी दुर्गावती राज्य स्तरीय पुरस्कार' की राशि भी 2 लाख रुपये करने की स्वीकृति दी है और 'रानी अवंती बाई राज्य स्तरीय वीरता पुरस्कार' की राशि को 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 2 लाख रुपये करने की मंजूरी दी है। इसी तरह जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के आगामी 5 वर्षों के संचालन के लिए 795 करोड़ 59 लाख रुपये की मंजूरी दी गई। देवास पटाखा फैक्ट्री दुर्घटना जांच आयोग की अवधि 3 माह बढ़ाने तथा एम.पी.पी.एस.सी के वार्षिक प्रतिवेदनों को विधानसभा के पटल पर रखने का अनुमोदन भी बैठक में किया गया।

भोपाल-विदिशा मार्ग का 4 लेन मय पेव्हड शोल्डर निर्माण किये जाने के लिए 1,757 करोड़ 55 लाख रूपये की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद ने भोपाल को मेट्रो-पोलिटिन सिटी के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा हाईब्रिड एन्यूटी मोडल (HAM) के लिए बनाए गए मॉडल कंसेशन एग्रीमेंट के आधार पर, भोपाल-विदिशा मार्ग लंबाई 44.830 कि.मी. का 4 लेन मय पेव्हड शोल्डर निर्माण किये जाने के लिए 1,757 करोड़ 55 लाख रूपये की स्वीकृति दी है। इससे अब औद्योगिक निवेश बढ़ाने के साथ अधोसंरचना का विकास होगा। कुल परियोजना निर्माण लागत का 40 प्रतिशत हाईब्रिड एन्यूटी मॉडल (एच.ए.एम) अंतर्गत मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा राज्य राजमार्ग निधि से परियोजना क्रियान्वयन के दौरान जीएसटी सहित वहन किया जायेगा। कुल परियोजना निर्माण लागत की शेष 60 प्रतिशत राशि संचालन अवधि में 15 वर्षों तक छः माही एन्यूटी के रूप में राज्य बजट के माध्यम से किया जायेगा। इसके अतिरिक्त निर्माण पूर्व कार्यकलाप (भू-अर्जन एवं अन्य कार्य) तथा सुपरविजन चार्जेस की राशि रूपये 364 करोड़ 41 लाख रूपये का भुगतान भी राज्य बजट के माध्यम से किया जायेगा।

भोपाल विदिशा (राज्यमार्ग-28) मार्ग, अयोध्या बाईपास के भानपुर टी-जंक्शन से प्रारंभ होकर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-146 पर साँची-सलामतपुर जंक्शन पर समाप्त होता है। यह मार्ग भानपुर, चोपड़ाकला, सूखी सेवनिया, डोब, बालमपुर, दीवानगंज और सलामतपुर से गुजरते हुए भोपाल और विदिशा जिलों को जोड़ता है। रायसेन जिले में सांची स्तूप सबसे महत्वपूर्ण बौद्ध तीर्थस्थलों में से एक है, जो कि यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल भी है। कर्क रेखा भी भोपाल-विदिशा मार्ग के कि.मी. 24.550 से गुजरती है। भौगोलिक दृष्टि से भी यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भोपाल बायपास 4-लेन मार्ग पर वर्ष 2031 तक उपभोक्ता शुल्क संग्रहण की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम अंतर्गत भोपाल बायपास 4-लेन को 6-लेन बनाने के दृष्टिगत मार्ग लम्बाई 51.963 कि.मी. पर 19 जुलाई 2026 से 31 दिसंबर 2031 तक उपयोगकर्ता शुल्क संग्रहण की अनुमति प्रदाय की है। साथ ही इसकी अवधि अतिरिक्त 5 वर्ष तक बढ़ाने के लिए लोक निर्माण विभाग को अधिकृत किया है। भोपाल बायपास पर उपयोगकर्ता शुल्क संग्रहण, पूर्व में जारी अधिसूचना के प्रावधानों के अनुसार यथावत् रखा गया है। उपयोगकर्ता शुल्क संग्रहण का कार्य मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम लिमिटेड अथवा निगम द्वारा चयनित संग्रहण एजेंसी के माध्यम से कराया जाएगा।

भोपाल बायपास 4-लेन मार्ग की कुल लंबाई 51.963 कि.मी. है, जो कि भोपाल शहर से इन्दौर, रायसेन, विदिशा एवं नर्मदापुरम् जिलों को जोड़ता है। जिससे भोपाल शहरी क्षेत्र का यातायात दबाव कम होने के साथ-साथ यात्रियों को निर्बाद्ध रूप से सुगमतापूर्वक मार्ग उपलब्ध होता है। इसका नियमित संचालन, अनुरक्षण एवं रख-रखाव निगम द्वारा किया जाता है। संग्रहित टोल राशि मध्यप्रदेश राजमार्ग निधि अधिनियम 2012 अंतर्गत स्थापित राज्य राजमार्ग निधि में जमा कराई जाती है, जिसका व्यय निगम द्वारा राज्य मार्गों के विकास एवं संधारण सहित अन्य कार्यों में किया जाता है।

मंत्रि-परिषद ने वन विभाग अंतर्गत संयुक्त वन प्रबंधन समितियों को लाभांश प्रदाय से संबंधित योजना को वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक निरंतर संचालन के लिए 918 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। इस योजना का उद्देश्य संयुक्त वन प्रबंधन अंतर्गत वनों के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए श्रमिकों के साथ रहवासियों की जन-भागीदारी प्राप्त करना है।

जनसुनवाई में जरूरतमंदों को मिली राहत, प्रशासन बना आमजन का सहारा

किसी को शिक्षा तो किसी को मिली आर्थिक सहायता

● जनसुनवाई बनी आत्मनिर्भरता का आधार, स्वरोजगार शुरू कर हितग्राही ने जताया आभार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई **आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं संवेदनशील निराकरण का प्रभावी माध्यम बन रही है। जनसुनवाई में पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं एवं आवश्यकताएं कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के समक्ष रखीं। कलेक्टर श्री वर्मा ने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा पात्र हितग्राहियों को तत्काल राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए। जनसुनवाई के माध्यम से प्रशासन निरंतर आमजन की समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित कर रहा है।**

जनसुनवाई में श्री जीतेंद्र कुमार विश्वकर्मा ने पहुंचकर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा का फल भेंट कर आभार व्यक्त किया। श्री विश्वकर्मा ने बताया कि उनकी दोनों किडनियां खराब हैं और वे पिछले चार वर्षों से डायलिसिस पर हैं। गत जनसुनवाई में वे रोजगार संबंधी समस्या लेकर पहुंचे थे। उनकी स्थिति को देखते हुए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने उपचार के लिए सहायता उपलब्ध कराने के साथ ही उन्हें स्वरोजगार शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्हें स्वरोजगार के लिए 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई गई। इस सहायता से श्री विश्वकर्मा ने फलों का व्यवसाय शुरू किया है और अब वे स्वयं का रोजगार संचालित कर रहे हैं। श्री विश्वकर्मा ने कहा कि कठिन परिस्थितियों में जनसुनवाई और प्रशासन उनके लिए सहारा बनी है। उन्होंने कलेक्टर श्री शिवम वर्मा सहित जिला प्रशासन के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

इसी क्रम में श्रीमती रक्षिता परमार ने अपनी बेटी सुश्री प्रियंका परमार की उच्च शिक्षा के लिए सहायता की मांग लेकर जनसुनवाई में पहुंचीं। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी प्रियंका ने कक्षा 12वीं में 72 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं और उसका चयन बी.टेक. की उच्च शिक्षा के लिए प्रतिष्ठित महाविद्यालय में हुआ है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण महाविद्यालय की फीस एवं अन्य शैक्षणिक खर्चों का वहन करना उनके लिए कठिन है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए तत्काल 40 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही प्रियंका की आगे की पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रहे, इसके लिए शिक्षा के लिए लोन की व्यवस्था कराने के भी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

एक अन्य प्रकरण में श्री राकेश रैकवार अपने पुत्र शुभम रैकवार के उपचार के लिए सहायता की मांग लेकर जनसुनवाई में पहुंचे। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल होने के कारण उनके पुत्र के पैर एवं कूल्हे की हड्डी में कई जगह फ्रेक्चर हुआ है। स्थानीय अस्पताल के चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर बताते हुए तत्काल ऑपरेशन की सलाह दी है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिवार के लिए उपचार का खर्च उठाना कठिन है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने मामले को संवेदनशीलता से सुनते हुए उपचार के लिए 30 हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के त्वरित निर्देश दिए। प्रशासन की इस सहायता से परिवार को उपचार के लिए आर्थिक संबल मिला है।

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में अधिकारियों ने आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित 300 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देशन में संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में कई आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मुख्य रूप में प्लॉट, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चिकित्सा सहायता और रोजगार से जुड़े प्रकरण रहे। जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य सहित सभी विभागीय अधिकारियों ने जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूति के साथ सुना और उनका निराकरण किया।

चित्रात्मक सूत्रों में सिमटा गीता का सार इंदौर में 'सांक्षप दीप' का हुआ विमोचन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। गीता-पुरुष, प्रकृति और त्रिगुण-एक सांक्षप दीप का लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर साहित्यकार पद्मा राजेन्द्र ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता सम्पूर्ण मानवता की, भारतीय संस्कृति की अमर अनमोल धरोहर है, जिसने युगों-युगों से मानवता को कर्तव्य, विवेक समत्व और आत्मबोध का मार्ग दिखाया है। इसके उपदेशों का प्रायोजन जीवनभूमि को प्रकाशित करना है। इसी कड़ी में ये कृति एक सांक्षप दीप की तरह छोटा सा प्रयास है। रामनारायण सोनी ने कहा कि इस कृति में गीता के श्लोकों एवं पुरुष—प्रकृति—त्रिगुण एवं चार वर्णों के स्वाभाविक कर्मों के सिद्धांत को सांक्षप में चित्रात्मक सूत्र रूप में संयोजित कर प्रस्तुत किया है ताकि पाठक के मन में विषय का स्पष्ट बौद्धिक मानचित्र निर्मित हो सके और सांक्षप दीप के समान ये प्रारंभिक मार्गदर्शक बन सके। कार्यक्रम संचालन मुकेश इन्दौरी ने किया। स्वागत उद्बोधन डा. रवीन्द्र पहलवान ने दिया। अतिथि स्वागत डॉ. स्वाति सिंह, सुनील मुसाफिर आदि ने किया। आभार वाय के गुप्ता ने माना। इस अवसर पर साहित्यकार ज्योति जैन, डा. अनुपमा जैन, शोभारानी तिवारी, अंजली चौहान, बालकराम शाद, रशीद अहमद शेख, कमल कासलीवाल, डा. पी के माथुर, व्रजेन्द्र नागर, बब्बू जोशी, राजेश रामनगीना आदि सदस्य उपस्थित थे।

इंदौर में गूंजे देश भक्ति के स्वर निकली विशाल वाहन यात्रा

हर घर तिरंगा अभियान में उमड़ा देशभक्ति का उत्साह

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने यात्रा का किया शुभारंभ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। जिले में हर घर तिरंगा अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। अभियान के तहत शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक तिरंगा यात्राओं सहित विभिन्न राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन आयोजनों के माध्यम से नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, गौरव और गरिमा के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

इसी क्रम में आज कलेक्टर कार्यालय से विशाल तिरंगा वाहन यात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने किया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु प्रजापति भी मौजूद रहे। विभिन्न अधिकारी-कर्मचारी संगठनों के संयुक्त मोर्चा द्वारा आयोजित इस यात्रा में श्री हरीश बोयत, श्री रमेश यादव, श्री संजय अटवाल, श्री प्रवीण यादव, श्री पवन शर्मा, श्रीमती जसवीर सलूजा तथा सुश्री सुषमा जैन सहित सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी और अन्य सदस्य यात्रा में शामिल हुए।

कलेक्टर कार्यालय से प्रारंभ हुई तिरंगा यात्रा में हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर अधिकारी-कर्मचारियों ने देशभक्ति के नारों के साथ सहभागिता की। यात्रा का समापन महू नाका पर हुआ। पूरे मार्ग में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति का उत्साह दिखाई दिया।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी निकली तिरंगा यात्राएं

हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी लगातार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विकासखंड इंदौर के ग्राम काजी पलासिया, नावदा पंथ, सेमलियाचाऊ एवं असरावद खुर्द में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं द्वारा तिरंगा यात्राएं निकाली गईं। महिलाओं ने हाथों में तिरंगा लेकर ग्रामीणों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। तिरंगा यात्राओं में ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। अभियान के माध्यम से जिले में 'हर घर तिरंगा' के साथ हर दिल में राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत किया जा रहा है।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को लेकर इंदौर की रेल परियोजनाओं को मिली बड़ी सौगात : सांसद शंकर लालवानी

चंद्रावतीगंज रेलवे ओवरब्रिज का टेंडर स्वीकृत, 45 करोड़ रुपये की लागत से होगा निर्माण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को लेकर इंदौर की रेल अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। चंद्रावतीगंज रेलवे फाटक पर लंबे समय से बनी यातायात की समस्या के स्थायी समाधान के लिए लगभग 45 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले रेलवे ओवरब्रिज (ROB) का टेंडर स्वीकृत हो गया है। जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

रेलवे विभाग द्वारा इस रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण किया जाएगा।रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण से चंद्रावतीगंज रेलवे फाटक पर बार-बार लगने वाले जाम से क्षेत्रवासियों एवं यात्रियों को स्थायी राहत मिलेगी। साथ ही आवागमन अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित होगा।

सांसद श्री शंकर लालवानी द्वारा आगामी सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए इंदौर एवं आसपास की रेल परियोजनाओं को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ दिन पूर्व सांसद शंकर लालवानी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के संबंध में इंदौर की रेल अधोसंरचना से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों को विस्तार से रखा था।

वर्ष 2028 में उज्जैन में आयोजित होने वाला सिंहस्थ विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक आयोजनों में से एक है, जिसमें देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इंदौर प्रदेश का सबसे बड़ा शहर होने के साथ-साथ सिंहस्थ के लिए प्रमुख प्रवेश द्वार की भूमिका निभाएगा। ऐसे में इंदौर एवं आसपास के रेलवे नेटवर्क को समय रहते सुदृढ़ करना, रेलवे स्टेशनों का विकास एवं विस्तार करना तथा यात्रियों के लिए आधुनिक और पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने सांसद द्वारा उठाए गए विषयों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों को परियोजनाओं एवं प्रस्तावों की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए थे। साथ ही सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए इंदौर एवं आसपास के रेल विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया था।

इसी क्रम में चंद्रावतीगंज रेलवे ओवरब्रिज के टेंडर की स्वीकृति को महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। लगभग 45 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ होगा। इसके बनने से रेलवे फाटक के बार-बार बंद होने के कारण होने वाले यातायात जाम से नागरिकों को राहत मिलेगी। साथ ही सिंहस्थ के दौरान इंदौर से उज्जैन एवं अन्य क्षेत्रों की ओर जाने वाले श्रद्धालुओं और यात्रियों के आवागमन को भी सुगम बनाने में यह परियोजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सांसद शंकर लालवानी ने बताया सिंहस्थ-2028 केवल उज्जैन का आयोजन नहीं, बल्कि पूरे मालवा और मध्यप्रदेश की आस्था, सेवा और व्यवस्थाओं की परीक्षा है। करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इंदौर की रेल अधोसंरचना को समय रहते सुदृढ़ करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी के सकारात्मक सहयोग से इंदौर एवं मालवा क्षेत्र की रेल परियोजनाओं को नई गति मिल रही है। चंद्रावतीगंज ROB के टेंडर की स्वीकृति इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके निर्माण से क्षेत्रवासियों को रेलवे फाटक के जाम से स्थायी राहत मिलेगी और सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी।

जर्जर भवन पर चली निगम की जेसीबी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। नगर निगम द्वारा जर्जर मकानों पर लगातार कार्रवाइयां की जा रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को भी नगर निगम ने एक जर्जर मकान पर कार्रवाई करते हुए उसे जमींदोज किया। यहां पर एक नया प्रोजेक्ट आ रहा है, जो सांसद निधि से बनना है।

ये भवन काफी जर्जर हालत में था और करीब 100 साल पुराना था। हालांकि यहां पर एक चौकीदार की फैमिली रहती थी, मगर नोटिस देकर इसे खाली करा लिया गया था। जिसके बाद आज निगम ने ये कार्रवाई की। नगर निगम का अमला झोन क्रमांक 2 वार्ड क्रमांक 67 में स्थित जयरामपुर कॉलोनी में दलबल के साथ पहुंचा। निगम की जेसीबी से जर्जर भवन को जमींदोज करने की कार्रवाई शुरू की गई। भवन अधिकारी पल्लवी पाल ने बताया कि जयरामपुर कॉलोनी में निगम ने निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल के आदेश पर ये कार्रवाई की है। यहां पर रजिस्टर्ड शासकीय नारी शाला का पुराना जर्जर मकान था। जिसे तोड़ा गया है। यहां पर एक नया प्रोजेक्ट आ रहा है, जो सांसद निधि से तैयार होगा। यहां पर चौकीदारी की फैमिली रहती थी, जिन्हें नोटिस देकर जगह खाली करा ली गई थी। फिर ये कार्रवाई की गई। हालांकि यहां किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि यह सिंधी समाज समिति के अधीन करीब 100 साल पुराना भवन था।

एचआईवी-एड्स की जाँच हेतु सघन अभियान

इंदौर। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार, मध्य प्रदेश राज्य इट्स नियंत्रण समिति के निर्देशानुसार विगत 02 वर्षों की तरह इस वर्ष भी जिले में 12 अगस्त से 12 अक्टूबर 2026 तक एचआईवी/एड्स जागरूकता हेतु सघन जागरूकता अभियान 3.0 संचालित किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य जन सामान्य में एचआईवी संक्रमण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है ताकि वे एचआईवी संक्रमण के कारण, बचाव के तरीके तथा एचआईवी जांच एवं उपचार आदि के संबंध में जागरूक हो सके तथा एचआईवी सिफलिस जांच एवं उपचार सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ ले सकें साथ ही एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव को समाप्त किया जा सके।

राष्ट्रीय हथकरघा सप्ताह के अवसर पर इंदौर के राष्ट्रीय अवॉर्डी शरीफ खान की कलाकृति से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हुए प्रभावित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। राष्ट्रीय हथकरघा सप्ताह के अवसर पर मिंटो हॉल भोपाल में आयोजित शिल्पियों के सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को इंदौर के राष्ट्रीय अवॉर्डी शिल्पकार श्री शरीफ खान द्वारा निर्मित लेदर से तैयार राष्ट्रीय पशु बाघ की आकर्षक मूर्ति उपहार स्वरूप भेंट की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कलाकृति की सराहना करते हुए श्री शरीफ खान के हुनर की प्रशंसा की तथा उन्हें अपनी कला के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर ग्रामोद्योग इंदौर के सहायक संचालक श्री राकेश भयडिया ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित शिल्पकार श्री शरीफ खान को मुख्यमंत्री द्वारा मिली सराहना इंदौर के लिए गौरव एवं सम्मान का विषय है। विभाग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक कुशल कारीगर तक पहुंचाने तथा उन्हें स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

किसानों से भूमि अधिग्रहण पर उन्हें दिया जाएगा चार गुना मुआवजा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

किसानों की सुरक्षा के लिए सरकार ने किया पुख्ता प्रबंध

- मुख्यमंत्री भोपाल की करौंद मंडी के बलराम कृषि महोत्सव में वीसी से हुए शामिल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार खेती और किसान के हितों की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने किसानों से अपनी जमीन हर हाल में सुरक्षित रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि भूमि हमारी माता है। यह हमारा उदर-पोषण करती है। इसे किसी को न बेचें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों को भरोसा देते हुए कहा कि किन्हीं भी शासकीय योजनाओं के निर्माण के लिए कृषि भूमि का अधिग्रहण करने पर किसानों को एक-दो नहीं, पूरे चार गुना मुआवजा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय से भोपाल की करौंद कृषि उपज मंडी परिसर में हुए बलराम कृषि महोत्सव को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने किसानों से कहा कि आपके खेत सरकार के लिए देवस्थल है और आपका एक-एक दाना हमारे लिए प्रसाद के समान है। आपके पसीने की हरेक बूंद के सम्मान के लिए हमारी सरकार हमेशा आपके साथ है। उन्होंने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव किसानों की मेहनत, समर्पण और कृषि क्षेत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को सम्मान देने का माध्यम है। मुख्यमंत्री ने वीसी से बलराम कृषि महोत्सव में मौजूद किसानों से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आपकी खुशी हमारे लिए होली और सबसे बड़ी दिवाली है। उन्होंने किसानों से पूरे उत्साह के साथ बलराम कृषि महोत्सव में सहभागी बनने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। बीते 26 दिनों में यह प्रदेश का 14वां बलराम कृषि महोत्सव आयोजन है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द भोपाल मुख्यालय में भी एक बड़ा कृषि महोत्सव आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने किसानों को आर्थिक सुरक्षा देने के उद्देश्य से 'कवच'' योजना शुरू की है। इससे सहकारी खातों की पुरानी गड़बड़ियां दूर कर 5 हजार किसानों को ऋण और विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाया गया है। किसानों को बिना ब्याज के ऋण और ऋण चुकाने के लिए पूरे 12 महीने का समय देने की व्यवस्था भी इस योजना में की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश का किसान अपने परिश्रम से प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। मध्यप्रदेश दलहन में पहले अन्न उत्पादन में देश में दूसरे, , तिलहन में दूसरे और दुग्ध उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। जैविक खेती और जैविक कपास उत्पादन में प्रदेश पूरे देश में अव्वल है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की आय के साधन बढ़ाने, खेती की लागत घटाने तथा तकनीक और नवाचार के माध्यम से उत्पादन एवं आमदनी बढ़ाने पर विशेष जोर दे रही है। हमने प्रदेश में सिंचाई क्षमता को 100 लाख हैक्टेयर तक बढ़ाने, उद्यानिकी का रकबा 30 लाख हैक्टेयर करने तथा 10 हजार नई सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने का लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से फसल विविधीकरण अपनाने, उद्यानिकी और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा पशुपालन एवं मछली पालन से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेती को सिर्फ अन्न उत्पादन का जरिया होने तक सीमित न रखकर इसे प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग से जोड़कर किसानों की आय के नए रास्ते खोले जा रहे हैं।

बलराम कृषि महोत्सव में स्थानीय विधायक श्री विष्णु खत्री, श्री तीरथ सिंह मीणा, श्री गोपाल सिंह मीणा, कलेक्टर भोपाल श्री प्रियंक मिश्रा सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ जिलाधिकारीगण सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय किसान बंधु उपस्थित थे। विधायक श्री रामेश्वर शर्मा और अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई ने मंत्रालय से ही बलराम कृषि महोत्सव में सहभागिता की।

उज्जैन के 119 साल पुराने मंदिर में मनाया स्वतंत्रता दिवस

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, एजेंसी। देशभर में स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है, लेकिन उज्जैन के प्रसिद्ध बड़े गणेश मंदिर में यह पर्व 4 दिन पहले मंगलवार (11 अगस्त) को ही मना लिया गया। यहां स्वतंत्रता दिवस अंग्रेजी कैलेंडर की तारीख के बजाय हिंदू पंचांग की तिथि के अनुसार मनाने की परंपरा है। इस बार श्रावण कृष्ण चतुर्दशी 11 अगस्त को होने के कारण मंदिर में पूरे विधि-विधान से ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। मंदिर को तिरंगे के रंगों से सजाया गया। परिवार के सदस्यों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आयोजन में हिस्सा लिया। पुराने पारिवारिक आवास से तिरंगा यात्रा मंदिर तक पहुंची। ध्वज पूजन और गणेश पूजन के बाद महाआरती हुई। देशभक्ति के नारों और गीतों के बीच मंदिर के शिखर पर तिरंगा फहराया गया और प्रसाद बांटा गया। पंडितों के अनुसार, देश की आजादी का शुभ मुहूर्त उज्जैन से तय हुआ था। वर्ष 1947 में श्रावण कृष्ण चतुर्दशी 15 अगस्त को थी। इसी तिथि को आधार बनाकर 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने का निर्णय हुआ था। इस साल श्रावण कृष्ण चतुर्दशी 11 अगस्त को आई।

ट्राले की टक्कर से सरपंच के ससुर-देवर की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

मेघनगर, एजेंसी। झाबुआ जिले के मेघनगर थाना क्षेत्र में सजेली फाटक के पास मंगलवार दोपहर 2.30 बजे तेज रफ्तार ट्राले ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में सरपंच के ससुर और देवर की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवार करीब आधे घंटे तक ट्राले के टायरों के नीचे दब रहे। जिससे आधे घंटे तक जाम लगा रहा। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को बाहर निकला।

ट्राला चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। लोंगों ने चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मृतकों की पहचान ग्राम पंचायत तलावली की सरपंच वनिता भूरिया के ससुर भाणजी भूरिया (55) और देवर बहादुर भूरिया (38) के रूप में हुई है। दोनों मेघनगर से बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सजेली फाटक के पास ट्राला क्रमांक (MP 45 ZL 503) ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने कुछ देर सड़क पर विरोध प्रदर्शन किया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सजेली फाटक के पास निर्माणाधीन पुल के कारण यहां पहले भी सड़क हादसे हो चुके हैं। ग्रामीणों ने इस स्थान पर सुरक्षा व्यवस्था बेहतर करने की मांग की है। पुलिस ने ट्राले को अपने कब्जे में लेकर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। सूचना मिलते ही मेघनगर थाना प्रभारी (टीआई) दिनेश शर्मा अपनी पुलिस टीम के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। स्थिति को संभालते हुए उन्होंने आक्रोशित ग्रामीणों को समझाइश दी और उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर मार्ग को सुचारू कराया।

राजगढ़ हादसे में उजड़े परिवार को विदाई

एक ही चिता पर 6 शवों का अंतिम संस्कार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

खातेगांव, एजेंसी। मंगलवार को धांसड़ गांव में एक ही परिवार के छह सदस्यों की अंतिम यात्रा निकाली गई। हल्की बारिश के बीच चार अर्थियों पर छह शव मुक्तिधाम पहुंचे। इनमें एक अर्थी पर पिता विशाल और दूसरी पर मां पूजा के साथ उनकी मासूम बेटियों के शव थे। वहीं परिजनों ने कहा है पूजा गर्भवती थी और इस हादसे का एक अजन्मा बच्चा भी शिकार हुआ।

राजगढ़ हादसे में जान गंवाने वाले धांसड़ निवासी शंकर चौहान, उनकी पत्नी सागर बाई, बेटे विशाल, बहू पूजा और पोतियों महक व वंशिका का अंतिम संस्कार किटी नर्मदा घाट के बजाय गांव के बाहर बने

मुक्तिधाम में किया गया। बारिश के कारण यह निर्णय लिया गया। परिवार के सभी छह सदस्यों का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर संपन्न हुआ। इसी हादसे में जान गंवाने वाली परिवार की बेटी रीनू पंवार और उनके बच्चों जसप्रीत व राजवीर के शवों का अंतिम संस्कार खंडवा जिले की पुनासा तहसील के ग्राम अटूट खास में किया गया। रीनू का ससुराल अटूट खास में है। इस प्रकार, एक ही हादसे में उजड़े परिवार के कुल नौ सदस्यों को दो अलग-अलग स्थानों पर अंतिम विदाई दी गई। अंतिम संस्कार के दौरान शंकर के छोटे बेटे और विशाल के भाई खुशाल ने अपने माता-पिता, भाई-भाभी और दोनों मासूम भतीजियों को मुखाग्नि दी। इस दौरान मुक्तिधाम में समाजजन, ग्रामीण और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। क्षेत्रीय विधायक मुरली भंवरा सहित अन्य लोगों ने मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह दर्दनाक हादसा सोमवार को राजगढ़ जिले के सारंगपुर थाना क्षेत्र में निर्माणाधीन पुलिया के पास हुआ था। धांसड़ गांव से परिवार के 11 सदस्य ईको वैन से करड़ावद देवस्थान जा रहे थे। इसी दौरान तेज बहाव में वैन बह गई। हादसे में परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग तैरकर बाहर निकल आए।

पेट दर्द पर अस्पताल पहुंची छात्रा, बेटे को दिया जन्म

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

देवास, एजेंसी। देवास में पेट दर्द की शिकायत के बाद जिला अस्पताल लाई गई 10वीं कक्षा की एक नाबालिग छात्रा ने बेटे को जन्म दिया। जांच के दौरान डॉक्टरों को उसके गर्भवती होने का पता चला। छात्रा और नवजात दोनों स्वस्थ हैं और अस्पताल में भर्ती हैं। घटना सोमवार की है। परिजन छात्रा को पेट दर्द होने पर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। चिकित्सकीय जांच के बाद गर्भावस्था की पुष्टि हुई और निगरानी में प्रसव कराया गया। छात्रा की मां ने बताया कि परिवार को गर्भावस्था की कोई जानकारी नहीं थी। बेटी की तबीयत खराब होने पर उसे अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने पूरी स्थिति बताई। उन्होंने बताया कि बेटी देवास स्थित स्कूल में पढ़ती है। वह रोज स्कूल आती-जाती थी। इसके अलावा उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं थी। पिता ने भी कहा कि उन्हें पहले कभी ऐसी आशंका नहीं हुई थी। अचानक पेट दर्द की शिकायत के बाद वे उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे। परिजनों ने बताया कि छात्रा पिछले कुछ दिनों से स्कूल नहीं जा रही थी। अस्पताल में जांच के दौरान गर्भावस्था की जानकारी मिलने पर परिवार भी हैरान रह गया। मामला सामने आने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी। कोतवाली थाना पुलिस जिला अस्पताल पहुंची और छात्रा व परिजनों से जानकारी जुटाई।

संपादकीय

एससी-एसटी मुआवजा राशि में 40% बढ़ोतरी

केंद्र सरकार उत्पीड़न के मामलों में अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजातियों (ST) के लिए मुआवजा राशि में 40% बढ़ोतरी की तैयारी कर रही है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की दलील है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) में बढ़ोतरी की वजह से ऐसा करना जरूरी हो गया है। इसके साथ ही एससी-एसटी वर्ग के लिए विशेष थाने और अदालतें गठित करने के लिए भी राज्य सरकारों को विशेष अनुदान दिए जाने की तैयारी चल रही है। हमारे सहयोगी अंग्रेजी अखबार ET की एक रिपोर्ट के अनुसार केंद्र सरकार उत्पीड़न के शिकार एससी-एसटी वर्ग के पीड़ितों के लिए मुआवजे की रकम 40 फीसदी बढ़ाने की तैयारी में है। यही नहीं एससी/एसटी (उत्पीड़नों की रोकथाम) कानून को मजबूती से लागू करने के लिए विशेष थाने और अदालतें बनाने के लिए भी आर्थिक सहायता देने पर फोकस कर रही है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने इस तरह का प्रस्ताव उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में बढ़ोतरी को देखते हुए दिया है। इस समय अपराध की प्रकृति और गंभीरता के आधार पर एससी/एसटी वर्ग के पीड़ितों को 85,000 से लेकर 8.25 लाख रुपये तक मुआवजा दिया जाता है। इस प्रस्ताव की जानकारी रखने वाले लोगों के मुताबिक अब न्यूनतम मुआवजा बढ़ाकर 1 लाख रुपये किया जा सकता है, जो अधिकतम 12 लाख रुपये तक हो सकता है। इसके साथ ही केंद्र सरकार एससी/एसटी थानों के गठन के लिए राज्यों के एक बार 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की भी सोच रही है। इन थानों पर जो बाद में खर्च आएंगे, वह संबंधित राज्य सरकारें उठाएंगी। एससी/एसटी (उत्पीड़नों की रोकथाम) कानून के तहत विशेष थानों के गठन का प्रावधान है, लेकिन अभी तक सिर्फ सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने ही ऐसे थाने बनाए हैं। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की ओर से यह प्रस्ताव वित्त मंत्रालय की व्यय समिति को मंजूरी के लिए भेजा गया है। मोदी सरकार एक दशक के बाद इस तरह की बढ़ोतरी पर विचार कर रही है। इससे पहले 2016 में यह बढ़ोतरी की गई थी। संसद के बजट सत्र में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय पर संसद की स्टैंडिंग कमेटी ने इस बात पर गंभीर चिंता जताई थी कि केंद्रीय सहायता मिलने के बावजूद कानून की तामील के लिए राज्यों ने पर्याप्त मशीनरी की व्यवस्था नहीं की है। संसद में केंद्र सरकार ने एक सवाल के जवाब में जो आंकड़े उपलब्ध करवाए हैं, उसके अनुसार देश भर में 181 विशेष एससी/एसटी थाने काम कर रहे हैं। सबसे बड़ा अंतर उत्तर प्रदेश और राजस्थान में दिखता है, जहां एससी और एसटी से जुड़े उत्पीड़न के सबसे ज्यादा मामले आते हैं, लेकिन इनपर कार्रवाई के लिए समर्पित स्पेशल पुलिस स्टेशन नहीं हैं।

ज्ञान-विज्ञान

भारत, पाकिस्तान और चीन के बीच बना 5,000 km लंबा मॉनसून हाईवे

सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा, क्या है मतलब

पाकिस्तान, भारत और चीन समेत पूरे इलाके में आने वाले दिनों में बहुत ज्यादा बारिश देखने को मिल सकती है। सैटेलाइट तस्वीरों में उत्तरी भारत से लेकर एशिया के अंदरूनी हिस्सों तक फैली बादलों की विशाल पट्टी (मॉनसून रेन हाईवे) दिखी है। एक्सपर्ट ने इसे देखने के बाद बताया है कि यह सक्रिय मॉनसून पैटर्न का संकेत है। इससे इस पूरे इलाके में भारी बारिश हो सकती है। इसमें पाकिस्तान से लेकर भारत और चीन तक के इलाके शामिल होंगे। सैटेलाइट तस्वीरों में दिख रही यह संरचना कोई एक विशाल तूफानी बादल नहीं है। बल्कि यह मॉनसून के बहाव से जुड़ी गहरी कन्वेक्शन (हवा के ऊपर उठने की प्रक्रिया) और बादलों का एक लंबा क्षेत्र है। समें कई जगह तूफान और बारिश लाने वाले बादलों के समूह शामिल हैं। विंडी (Windy) ने इसकी सैटेलाइट तस्वीरें शेयर की हैं।

मॉनसून रेन हाईवे क्या है

सैटेलाइट तस्वीरों में दक्षिण एशिया में 5,000 किलोमीटर लंबी बादलों की एक पट्टी (कॉरिडोर) मॉनसून सिस्टम के विशाल आकार को दिखाती है। यह पट्टी पाकिस्तान से शुरू होकर उत्तरी भारत होते हुए चीन की ओर जाती है। सैटेलाइट से देखने पर इसके लंबे फैलाव के कारण इसे मॉनसून रेन हाईवे कहा गया है।

इसमें हवा के बड़े रास्ते (एटमॉस्फेरिक कॉरिडोर) के साथ कई बादल और तूफान वाले सिस्टम बनते हैं। एक इलाके में कई तूफान बनते हैं तो उनके बादल आपस में फैलकर जुड़ते हैं। अंतरिक्ष से यह बादलों की बड़ी और लंबी पट्टी लगती है। सैटेलाइट से हजारों किलोमीटर तक फैले इस स्ट्रक्चर को देखा जा सकता है।

ये सिस्टम कैसे बनता है

दक्षिण एशियाई मॉनसून हिंद महासागर से एशिया की ओर पानी की भाप (वॉटर वेपर) और हवा की धाराओं के बड़े पैमाने पर बहाव की वजह से बनता है। मॉनसून के मौसम में नमी वाली हवा की धारा उपमहाद्वीप के अंदर पहुंचती हैं। जैसे-जैसे हवा के बड़े हिस्से (एयर मासेज) ऊपर उठकर हवा के बहाव और जमीन के संपर्क में आते हैं तो बड़े बादल और बारिश वाले सिस्टम बनाते हैं।

मॉनसून के मामले में सैटेलाइट इमेजिंग की बात की जाए तो 5,000 किलोमीटर लंबी बादलों की अपनी अहमियत है। यह पट्टी दिखाती है कि सक्रिय मॉनसून के मौसम में मौसम के सिस्टम एक-दूसरे पर कितने निर्भर होते हैं। जमीन परबारिश एक ही शहरया राज्य तक सीमित घटना लग सकती है। वहीं सैटेलाइट तस्वीरें इसके पीछे चल रही वायुमंडलीय घटनाओं का पूरा दायरा दिखाती हैं।

एशिया के मॉनसून का नजारा

सैटेलाइट इमेज पर एक्सपर्ट का कहना है कि यह दक्षिण एशियाई मॉनसून सिर्फ अलग-अलग बारिश वाले तूफानों का समूह नहीं है। यह हजारों किलोमीटर में फैला एक विशाल वायुमंडलीय सिस्टम है। सैटेलाइट से देखी गई रेन हाईवे की यह तस्वीर दिखाती है कि कैसे बादल और तूफान एशियाई महाद्वीप पर एक कतार में आ सकते हैं, जो पाकिस्तान से भारत होते हुए चीन तक मौसम की गतिविधियों को जोड़ते हैं।

Total Solar Eclipse

भारत में लगे सूर्य ग्रहण से कैसे मिला वह रहस्यमयी तत्व, जो पृथ्वी पर 27 साल बाद खोजा गया?

भारत में अगस्त 1868 में पूर्ण सूर्य ग्रहण लगा था। इस सूर्य ग्रहण को देखने के लिए दुनियाभर के हजारों खगोलविद भारत में जमा हुए थे। इनमें फ्रांसीसी खगोलविद पियरे जूल्स जानसेन भी शामिल थे। उन्होंने ग्रहण के दौरान जब सूर्य के घेरे के चारों ओर उठती चमकदार लपटों (प्रोमिनेंस) की ओर अपना स्पेक्ट्रोस्कोप घुमाया, तब उन्हें रोशनी में एक पीली स्पेक्ट्रल लाइन दिखाई दी। यह पहले से जानी पहचानी सोडियम लाइन के तो करीब थी, लेकिन उनसे पूरी तरह मेल नहीं खाती थी। उस समय कोई यह नहीं बता सका कि ये लाइने किस वजह से बनी थी।

हीलियम की खोज से संबंध

बाद में इस खोज को कनेक्शन हीलियम तत्व से जोड़ा गया, जो उस समय पृथ्वी पर अज्ञात था। हालांकि, उस समय जॉनसेन ने वो रहस्यमयी लाइन तो जरूर देखी, लेकिन उन्होंने हीलियम की पहचान नहीं की। ऐसे में यह तत्व लगभग 27 साल तक रहस्य बना रहा। 1895 सर विलियम रामसे ने यूरेनियम अयस्क (क्लीवाइट) से इस गैस को अलग कर पृथ्वी पर इसकी मौजूदगी साबित की। सूरज से जुड़े होने के कारण उसके ग्रीक नाम 'हेलियोस' (Helios) के आधार पर इसका नाम हीलियम रखा गया।

भारत के गुंटूर में लगे सूर्य ग्रहण से संबंध

'रिसर्चगेट' में छपी एक स्टडी के अनुसार, 18 अगस्त 1868 को भारत के गुंटूर में सूर्य ग्रहण लगा था। इसने खगोलविदों को स्पेक्ट्रोस्कोपी के जरिए सूरज की लपटों (प्रोमिनेंस) की जांच करने का एक अनोखा मौका दिया। जानसेन को इन चमकती संरचनाओं का अध्ययन करने का कोई व्यावहारिक तरीका खोजने में खास दिलचस्पी थी, तब भी जब चंद्रमा सूरज को पूरी तरह से ढके हुए न हो। अभियान के दौरान उनके अवलोकन बहुत सफल रहे, और उन्होंने वह तरीका विकसित किया जिसे बाद में 'प्रोमिनेंस मेथड' के नाम से जाना गया।

जानसेन ने स्पेक्ट्रोस्कोप में किए बदलाव

जानसेन ने एक और पूर्ण सूर्य ग्रहण का इंतजार किए बिना प्रोमिनेंस को देखने का एक तरीका भी खोज लिया था। इसके लिए उन्होंने स्पेक्ट्रोस्कोप में बदलाव किया, जिससे एक खास वेवलेंथ को अलग किया जा सके। इससे सौर प्रोमिनेंस की एक मोनोक्रोमैटिक (एक रंग वाली) छवि दिखने लगी। बाद में उन्होंने एक सिद्धांत बताया जिसने प्रभावी रूप से स्पेक्ट्रोहेलियोस्कोप और बाद में स्पेक्ट्रोहेलियोग्राफ की अवधारणा नाम दिया गया। दशकों बाद जॉर्ज एलेरी हेल और हेनरी डेसलैंड्रेस जैसे खगोलविदों ने इस तकनीक को और बेहतर बनाया।

New Delhi

पूरे देश में बुलडोजर ऐक्शन की तैयारी, सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश, ये इमारतें टूटेंगी

नई दिल्ली, (एजेंसी) देश भर में वर्षों से बड़े पैमाने पर हो रहे अनाधिकृत निर्माण और नियमों की अनदेखी कर रिहायशी इलाकों में चल रही वाणिज्यिक गतिविधियों पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रूख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली, पटना, लखनऊ और अन्य शहरों के ऐसे मामलों में युद्ध स्तर पर कार्रवाई का आदेश दिया है। इस आदेश के बाद इन शहरों में बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ और सीलिंग की कार्रवाई हो सकती है।

जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और आर महादेवन की पीठ ने कहा कि दिल्ली के होटल और लखनऊ के

कोचिंग सेंटर में लगी आग से बड़े पैमाने पर लोगों की मौत हुई।

दिल्ली में सर्वे के काम में देरी पर जताई नाराजगी- आदेशों के बाद भी लाजपतनगर और सरोजनीनगर मार्केट में नियमों की अनदेखी और किसी अनहोनी का पता लगाने के लिए सर्वे का काम शुरू नहीं किए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम और नई दिल्ली नगर पालिका परिषद को आड़े हाथ लिया।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने नौ जुलाई को नियमों की अनदेखी और संरचनाओं की मजबूती का पता लगाने के लिए आईआईटी दिल्ली के दो प्रोफेसर और अन्य लोगों की कमेटी बनाने को कहा था, जो नहीं हो पाया। इस पर अदालत ने नाराजगी जाहिर की।

New Delhi

2,700 करोड़ से पटरी पर उतरेंगी 27 नई वंदे भारत, स्वदेशी सुपर ट्रेन पर भी तेजी से चल रहा काम

नई दिल्ली, (एजेंसी) भारतीय रेलवे देश में सफर का तरीका पूरी तरह बदलने की तैयारी में है। यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं और तेज रफ्तार देने के लिए चालू वित्त वर्ष में 2,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से करीब 27 नई सेमी-हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेनें तैयार की जा रही हैं।

देश की तीनों प्रमुख कोच फैक्ट्रियों में इन ट्रेनों का निर्माण युद्ध स्तर पर चल रहा है। फिलहाल देश भर में चेयरकार और स्लीपर मिलाकर 100 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें दौड़ रही हैं, पर यह वित्त वर्ष वंदे भारत के उत्पादन के लिहाज से सबसे बड़ा साबित होने जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इस वित्त वर्ष में 27 ट्रेन सेट का निर्माण पूरा होगा, जिसकी संख्या मांग के आधार पर बढ़ सकती है। चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, रायबरेली की मॉडर्न कोच फैक्ट्री और कपूरथला की रेल कोच फैक्ट्री में इनका निर्माण जारी है।

1000 वंदे भारत का महा-प्लान- भारतीय रेलवे ने लंबी अवधि के लिए 1,000 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें तैयार करने का लक्ष्य रखा है। इसमें 8, 16 और 24 कोच वाले अलग-अलग ट्रेन सेट (चेयरकार और स्लीपर) शामिल होंगे। इस मेगा प्रोजेक्ट के लिए 35,000 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया जा चुका है। इन ट्रेनों को जल्द ही अलग-अलग रूट पर शुरू किया जाएगा।

Maharashtra

मुंबई के घाटकोपर इलाके में हुआ भूस्खलन, दो लोगों की मौत; छह से आठ लोगों के अभी भी दबे होने की सूचना

मुंबई, (एजेंसी) मुंबई को घाटकोपर इलाके में आज तड़के भूस्खलन हो गया, जिसकी चपेट में आकर कई लोग दब गए। पुलिस ने बताया कि दो लोगों के शव निकाले जा चुके हैं और छह से आठ लोग अभी भी फंसे हो सकते हैं। राहत और बचाव कार्य जारी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुंबई के घाटकोपर इलाके में भूस्खलन के चलते गरीब नवाज चॉल पर पहाड़ का हिस्सा आ गिरा। इस भूस्खलन की चपेट में छह-सात चॉल आए हैं। हादसे में दो लोगों की मौत हो चुकी है और कई लोगों को बचाया जा चुका है। हालांकि मलबे में अभी भी छह से आठ लोगों के फंसे होने की आशंका है, जिन्हें बचाने के लिए राहत और बचाव कार्य जारी है। पुलिस ने बताया कि घटना तड़के करीब चार बजे घटी। महाराष्ट्र पुलिस, एनडीआरएफ की टीमें मौके पर मौजूद हैं। साथ ही एंबुलेंस की गाड़ियां भी मौके पर तैनात हैं ताकि घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया जा सके। बीएमसी ने बताया कि दो शव निकाले गए हैं और दो घायलों को जिनमें सोहेल अंसारी (18 वर्षीय) और मोहम्मद अंसारी (14 वर्षीय) शामिल हैं, उन्हें भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

Uttarpradesh

राम मंदिर दान चोरी: एसआईटी की रडार पर गिरफ्तार आरोपियों के 54 करीबी, लखनऊ में संपत्तियों की जांच

लखनऊ, (एजेंसी) अयोध्या के राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी की जांच अब आरोपियों के करीबियों की संपत्ति तक पहुंच गई है। जांच एजेंसियों को शक है कि कथित आर्थिक अनियमितताओं की कड़ियां संपत्तियों के लेनदेन से जुड़ी हो सकती हैं। इसी के चलते अयोध्या पुलिस और एसआईटी ने लखनऊ में आरोपियों और उनके करीबियों की संपत्तियां खंगालना शुरू कर दिया है। आठ नामजद आरोपियों के साथ उनके 54 रिश्तेदारों और करीबियों के नाम की सूची लखनऊ प्रशासन को भेजी गई है।

अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की ओर से जिलाधिकारी को भेजे गए पत्र में आरोपियों और उनके परिजनों के नाम से पिछले दो वर्षों में दर्ज

अथवा नामांतरण की गई कृषि-अकृषि भूमि और अन्य अचल संपत्तियों का विवरण उपलब्ध कराने को कहा गया है। पत्र के साथ क्षेत्राधिकारी अयोध्या की रिपोर्ट भी संलग्न की गई है। इसमें साफ तौर पर आरोपियों और उनके परिजनों के नाम से संपत्तियों की पड़ताल कराने का अनुरोध किया गया है।

खेल

भारत के लाल सूरज कुमार चंद ने जीता FISU वर्ल्ड यूनिवर्सिटी स्क्वैश चैंपियनशिप

जीत के बाद गजब अंदाज में किया सेलिब्रेट

मुंबई, (एजेंसी) सोमैया विद्याविहार यूनिवर्सिटी और भारत की तरफ से खेल रहे सूरज कुमार चंद ने मुंबई में हुई 2026 FISU वर्ल्ड यूनिवर्सिटी स्क्वैश चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया है। घरेलू दर्शकों के बीच सूरज ने पुरुषों के रोमांचक फाइनल मैच में हंगरी के बेनेदेक ताकाच को 3-2 से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। 4 मैच के बाद जब दोनों खिलाड़ी 2-2 की बराबरी पर थे, तब सूरज ने आखिरी मैच में शानदार खेल दिखाते हुए 11-4 से जीत दर्ज की।

सूरज का शानदार खेल और ऐतिहासिक जीत

इस टूर्नामेंट में सूरज का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने सेमीफाइनल में भी फ्रांस के खिलाड़ी के खिलाफ पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। इस ऐतिहासिक जीत के बाद सूरज ने कहा, 'अपने देश में और अपने लोगों के सामने जीतना एक सपने जैसा है।' वहीं दूसरे स्थान पर रहे बेनेदेक ताकाच को सिल्वर मेडल मिला, जिससे हंगरी को 20 साल बाद कोई इंटरनेशनल स्क्वैश मेडल मिला है। इस जीत के बाद उन्होंने दमदार अंदाज में सेलिब्रेट किया और अपना टी-शर्ट उतारकर जश्न मनाया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है।

महिला वर्ग में स्पेन का जलवा

महिला वर्ग के फाइनल में स्पेन की मार्ता डोमिंगुएज फर्नांडीज ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए गोल्ड मेडल जीता। मार्ता ने एकतरफा मैच में हांगकांग चीन की चिंग हेई फंग को सीधे मैचों में 3-0 से हरा दिया। मार्ता के लिए यह जीत बहुत खास रही क्योंकि उन्होंने यह खिताब अपने पिता के जन्मदिन पर जीता।

टूर्नामेंट का सफल आयोजन

इस टूर्नामेंट का आयोजन सोमैया विद्याविहार यूनिवर्सिटी ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज और स्क्वैश रैकेट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के साथ मिलकर किया। इसमें 14 देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। अब इस चैंपियनशिप में टीमों के बीच मुकाबले शुरू हो रहे हैं।

सिनेमा

'बजरंग बली ने मुझे ये सौभाग्य दिया', अभिषेक मल्हान असम में तबाह हुए हनुमान मंदिर का करा रहे पुनर्निमाण

यूट्यूबर अभिषेक मल्हान इन दिनों असम में बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद कर रहे हैं। वह राहत और लोगों के पुनर्वास के काम में जुटे हैं। उन्होंने प्रभावित इलाकों में जरूरत का सामान जुटाने से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया है कि वो बाढ़ में तबाह हुए हनुमान मंदिर का पुनर्निमाण करेंगे। अभिषेक मल्हान ने असम में बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए 'टू होप फाउंडेशन' के साथ हाथ मिलाया है। उनका मकसद राहत कार्यों में मदद करने के साथ-साथ बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए लंबे समय तक काम आने वाले उपाय करना भी है। असम में 19 जुलाई से शुरू हुई बाढ़ ने कई इलाकों में भारी नुकसान पहुंचाया है। गोलाघाट सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में है, जहां 71 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। इसके बाद शिवसागर में 21 हजार से ज्यादा और जोरहाट में 13 हजार से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। अभिषेक ने इंस्टाग्राम पर बताया कि उन्हें बाढ़ में टूटे हनुमान मंदिर के दोबारा निर्माण में योगदान देने का मौका मिला है। उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें बाढ़ से प्रभावित जगह दिखाई दे रही है। इसी स्थान पर पहले हनुमान जी की मूर्ति स्थापित थी।

Highlights

1. Images disturb me deeply: Congress' Sam on lathicharge on students in J'khand
2. Vande Mataram granted same legal protection as National Anthem as Prez gives assent to bill
3. Lok Sabha passes Bill to rename 'Kerala' as 'Keralam'
4. Event on Umar Khalid's book held at JNU despite venue cancellation, ABVP counters
5. Heavy to very heavy rainfall warning issued for 19 states/ UTs, list released
6. Delhi CM Rekha slams AAP MLA after viral video shows him meeting people in undergarments
7. Tirupati airport gets e-Visa entry status, awaits int'l flights

Decoding Workday's Copy/ Paste Economy data and Google DeepMind's WeatherNext AI

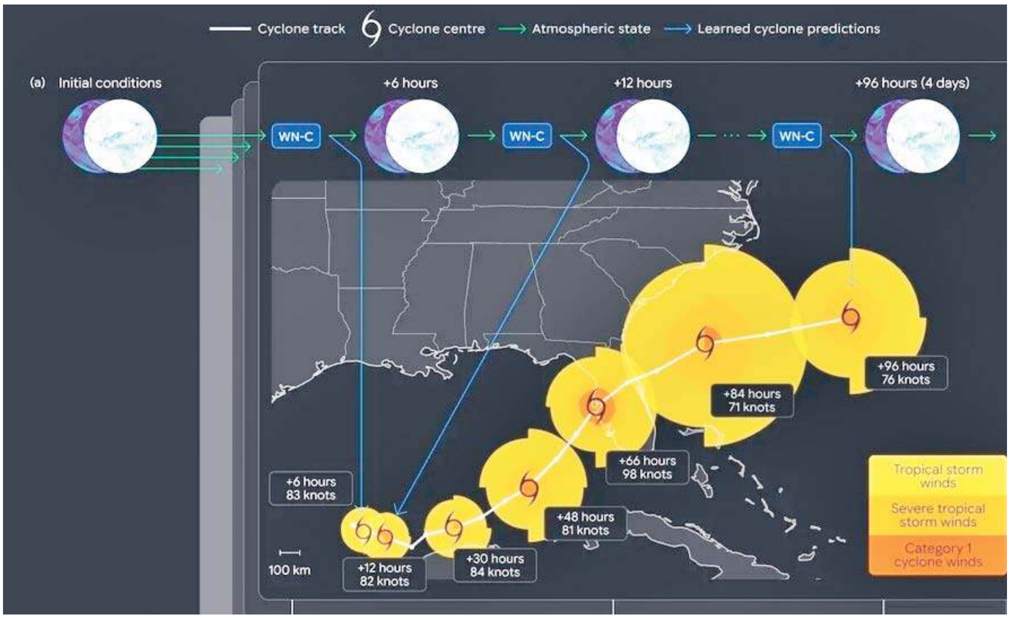

NEW DELHI, (Agency). Google DeepMind's journey towards building relevant AI continues. It now has a model called WeatherNext AI, that will predict tropical cyclones sooner. This includes a cyclone's track, intensity, and wind structure, and this up to 15 days in advance. To build this, AI researchers and engineers at Google DeepMind and Google Research, with expert forecasters at the National Hurricane Center (NHC), the Cooperative Institute for Research in the Atmosphere (CIRA), the UK Met Office, and weather agencies around the world.

The WeatherNext team notes that predicting cyclones is usually complicated, because the track (that is, where it is headed) is dependent on a number of factors including changing atmospheric currents as well as very local conditions. "Our WeatherNext model bridges this gap by improving forecasting for global weather overall as well as cyclones. It is a single AI model that predicts a tropical cyclone's track, intensity, and wind structure with state-of-the-art accuracy. It achieves this breakthrough through a unique combination of its training, architecture and approach to low resolution inputs," they say.

The model has been trained on global weather and expert-curated historical cyclone observations—that is in total around 20 terabytes of global atmospheric data and historical observations to work with, across 5,000 historical storms.

WORKDAY: ENTERPRISES ARE USING AI ALL WRONG

When enterprise AI platform Workday puts together data about AI adoption and glaring gaps, it is only prudent to take cognisance and read through those findings. Workday's latest report titled "The copy/paste economy: Why task-oriented AI is failing the enterprise in India" points out a key that may seem to have missed—despite the the influx of AI, human workers are bearing the brunt of disconnected systems. They become, what Workday calls, a 'glue' between disparate systems. Alongside, two more key points—embedded AI results in better value, and trust in AI is also dependent on efficiency of decision making.

"Indian employees believe in the power of AI to improve their work: 89% say AI is improving their work day experience. Drilling down into why, 69% say AI reduces the time tasks take, and 64% say AI has accelerated their work in a productive way," notes Sunil Jose, President - Workday India, adding these numbers are far higher than the global benchmark for both metrics (61% and 54% respectively).

The report notes that while employees in India rate their day-to-day work positively, they're also grappling with inefficient ways of working.

प्रतापगढ़ की गैंग चुरा रही थी कारें 2 कार और अवैध हथियार बरामद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। राजेंद्र नगर इलाके में लगातार कार चोरी की वारदातें हो रही थीं। इसे लेकर डीसीपी जोन-1 नरेंद्र रावत ने टीम बनाई थी। पुलिस ने लगातार सीसीटीवी फुटेज खंगाले और कार चोरी करने वाले तोफिक और उसके एक साथी को पकड़ लिया। आरोपी नन्हे खां और एक और आरोपी सउदी से जुड़े बताए जा रहे हैं। दोनों पहले भंवरकुआं पुलिस और क्राइम ब्रांच के हाथ भी लग चुके हैं।

पुलिस ने आरोपियों से अब तक दो कारें बरामद की हैं। आरोपियों के पास पिस्टल भी मिली हैं। पुलिस के मुताबिक, वे पुलिस से मुठभेड़ की स्थिति में इस्तेमाल के लिए हथियार रखते थे। पुलिस ने उनके पास से अवैध हथियार जब्त किए हैं। आरोपियों ने पहले परस्पर नगर में सप्लायर मुकुल कुमार त्यागी की स्विफ्ट कार चुराई थी। कार चोरी करने से पहले उन्होंने इलाके की बिजली बंद कर दी थी। इसके बाद कार लेकर फरार हो गए थे। आरोपियों ने ईशान मंडलाई निवासी की विज्ञान नगर से कार भी चुराई थी। इसके अलावा दामोदर नगर से एक और कार चोरी की थी। पुलिस ने इस मामले में अब तक कारें और अवैध हथियार बरामद किए हैं। राजेंद्र नगर पुलिस ने जिस गैंग के बदमाशों को पकड़ा है, वह उत्तर प्रदेश के मेरठ और प्रतापगढ़ में सक्रिय है। गैंग एक जैसे मॉडल की कारों को निशाना बनाती है। करीब 6 साल पहले गैंग से जुड़े बदमाशों ने भागने के दौरान दो पुलिसकर्मियों पर कार चढ़ा दी थी। इस दौरान गैंग से जुड़े एक बदमाश को पकड़ा गया था। बाद में क्राइम ब्रांच की टीम ने भी इस गैंग से जुड़े आरोपियों को 11 कारों के साथ पकड़ा था। राजेन्द्रनगर पुलिस ने फिलहाल इमरान नसीमुद्दीन मोहम्मद तोफीक,राजीव सुरी ओर वर्षा को पकड़ा है। हालाकि पंजाब ओर यूपी मे वाहन भेजने की बात आरोपियो ने कबूली है। उन्हे जब्ती के प्रयास किए जा रहे है। क्राइम ब्रांच की कार्रवाई के बाद गैंग के बदमाश जेल गए थे। जेल से छूटने के बाद गैंग ने पीथमपुर में डेरा डाल लिया था। इसके बाद वह फिर से कार चोरी की वारदातों में सक्रिय हो गई।

बर्थडे पार्टी के लिए खरीदे हथियार, चार गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर।राऊ पुलिस ने कैट रोड स्थित नखराली ढाणी गेट के पास से चार युवकों को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान ऋषभ पुत्र मदन कौशल निवासी पलसीकर, रितेश पुत्र टोडरमल पवार निवासी नयापुरा, प्रेम पुत्र सिद्धार्थ तायडे निवासी बड़ा बाजार और सुमित उर्फ रोनी पुत्र मुकेश प्रजापत निवासी सेठी नगर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों की तलाशी ली तो स्कूटर की सीट के नीचे छिपाकर रखी चार देशी पिस्टल, एक रिवॉल्वर और चार कारतूस बरामद हुए। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने ये हथियार बर्थडे पार्टी के लिए खरीदे थे। हालांकि, पुलिस अब हथियार कहां से खरीदे गए और इनके इस्तेमाल की योजना क्या थी, इसकी जांच कर रही है।

महाकाल की सवारी में शामिल होकर लौट रहे दो दोस्तों की सड़क हादसे में मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। महाकाल की सवारी में शामिल होने उज्जैन गए भंवरकुआं क्षेत्र के दो दोस्तों की सोमवार रात सड़क हादसे में मौत हो गई। दोनों बाइक से इंदौर लौट रहे थे। सांवेर रोड पर इंदौर और सांवेर के बीच उनकी बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने इंदौर के एमवाय अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

सांवेर थाना टीआई गिरिजाशंकर महोबिया के मुताबिक मृतकों की पहचान आकाश (26) पिता कमल बुराना निवासी चितावद और उसके साथी अन्नू उर्फ अनुराग के रूप में हुई है। दोनों सोमवार को उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर परिसर से निकलने वाली सवारी में शामिल होने गए थे। रात में बाइक से इंदौर लौटते समय यह हादसा हुआ। पुलिस के अनुसार इंदौर और सांवेर के बीच अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा घुसी। हादसे में अन्नू उर्फ अनुराग की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल आकाश को एंबुलेंस की मदद से इंदौर के एमवाय अस्पताल लाया गया। यहां रात में इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। हादसे के बाद पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। परिजनों के मुताबिक आकाश निजी काम करता था और अपनी मां के साथ अलग रहता था। परिवार में उसका एक बड़ा भाई है, जो पत्नी और बच्चों के साथ रहता है। वहीं अन्नू उर्फ अनुराग भी एक दुकान पर काम करता था। उसके परिवार में माता-पिता के अलावा भाई-बहन हैं। अन्नू का पोस्टमार्टम सांवेर के अस्पताल में कराया जा रहा है। दोनों युवकों की मौत की खबर से परिवार और परिचितों में मातम छा गया।

एमडी ड्रग्स के साथ ऑटो ड्राइवर गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने मंगलवार को एमआर-04 आमरोड़, परदेशीपुरा स्थित भंडारी ब्रिज के नीचे कार्रवाई करते हुए 54.70 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान दानिश शेख (26) निवासी आजादनगर, इंदौर के रूप में हुई है। टीम के मुताबिक जब्त ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 5.40 लाख रुपए है। क्राइम ब्रांच की टीम मंगलवार को गश्त और संदिग्धों की तलाश में भंडारी ब्रिज के नीचे मौजूद थी। इसी दौरान एक युवक पैदल आता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह घबरा गया। संदेह होने पर टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा। उसकी तलाशी ली तो उसके लोअर की जेब से सफेद पन्नी मिली। जिसमें 54.70 ग्राम एमडी ड्रग्स होना पाया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी पेशे से ऑटो ड्राइवर है। उसके खिलाफ पहले भी क्राइम ब्रांच इंदौर में NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर ड्रग्स की सप्लाई और उससे जुड़े नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है।

शादी से पहले की जांच हो या किसी कोर्ट केस से संबंधित सबूतों की जरूरत....

व्यक्तिगत-व्यापारिक जीवन में कोई शंका या सबूत की जरूरत.....

कहीं किसी के द्वारा धोखा या छल तो नहीं किया जा रहा...

जांचिए ! परखिये !!

ऐसे सारी परिस्थितियों के लिए

"डिटेक्टिव" को अपना मित्र बनाए ...

गोपनीयता और विश्वनीयता के साथ जांच करवाएं.....तब निर्णय करें।

समाज में जागरुकता फैलाये।

FOLLOW US

DETECTIVE GROUP

Detecting the truth.

091110 50101 | www.detectivegroup.in | www.detectivesgroup.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक